प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 6

दत्त- कार्य - 1

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

देख देख राधा रूप अपार।
अपुरुब के विहि आनि मिलाओल
खिति - तल लावनि - सार।
अंगहि अंग अनंग मुरछायत
हेरए पड़त अथीर।

2. कबीर की रहस्य - साधना पर प्रकाश डालियें।
3. कबीर ना हिन्दू ना मुसलमान थे, बल्कि एक सामाजिक सुधारक थे। एक नोट लिखें।
4. सूरदास की भक्ति - भावना स्पष्ट करें।
5. सूरदास की काव्य - भाषा पर एक नोट लिखें।
6. तुलसीदास की दार्शनिक - चेतना की विवेचना करें।
7. अमीर खुसरो का जीवन - परिचय लिखें।
8. केशवदास की संवाद - योजना पर टिप्पणी लिखें।

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 6

दत्त- कार्य - 2.

कुल अंक - 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. कबीर और तुलसी के राम में अन्तर स्पष्ट करें।
2. कबीर का व्यक्तित्व वर्तमान युग में कितना प्रासंगिक है - विवेचना किजिए।
3. सूरदास के काव्य में गीतात्मकता।
4. तुलसीदास की लोकमंगल की भावना की विवेचना करें।
5. राम काव्यधारा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए।
6. भूषण की वीर - भावना स्पष्ट करें।
7. मीराबाई का जीवन - परिचय दीजिए।
8. सूरदास की दार्शनिक - चेतना का वर्णन किजिए।

कुल अंक 10

काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 7

दत्त-कार्य - 1

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1 काव्य प्रयोजन पर नोट लिखें।
2. रस के अंगों की विवेचना किजिए।
3. सहृदय की अवधारणा पर विचार व्यक्त करें।
4. अलंकारों ~~की~~ का वर्गीकरण करें।
5. औचित्य-सिद्धान्त पर विवेचनात्मक लेख लिखें।
6. प्लेटो का काव्य-सम्बन्धी विचारों का उल्लेख करें।
7. निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त लिखो।
8. तुलनात्मक आलोचना पद्धति का महत्व स्पष्ट करें।

कुल अंक - 10

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 7

दत्त-कार्य - 2

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. रस-सिद्धान्त की विवेचना किजिए।
2. वक्रोक्ति सिद्धान्त की अवधारणा का उल्लेख करें।
3. ध्वनि-भेद - गुणीभूत व्यंग्य और चित्रकाव्य पर लेख लिखें।
4. रीति-सिद्धान्त की अवधारणा पर टिप्पणी लिखें।
5. विखंडन-सिद्धान्त की समीक्षा किजिए।
6. प्रमुख रीतिकालीन कवियों का परिचय दें।
7. शास्त्रीय आलोचना पद्धति की परीक्षा किजिए।

(signature)

प्रयोजनमूलक हिंदी

कुल अंक-10

एम०ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर- 8

दत्त-कार्य - 1

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. राजभाषा की परिभाषा और स्वरूप लिखिएं।
2. संक्षेपण का अर्थ और प्रवृत्तियां वर्णित करें।
3. पत्रकारिता के प्रकार लिखिएं।
4. समाचार लेखन कला पर टिप्पणी लिखें
5. जनसंचार की चुनौतियां किस स्तर पर है; विवेचना किजिएं।
6. फीचर का स्वरूप स्पष्ट किजिए।
7. अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रतिक्रियों पर टिप्पणी लिखें।
8. तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद का महत्व बताएं।

एम०ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष)

कुल अंक: 10

अनिवार्य पेपर - 8

दत्त-कार्य - 2.

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. पल्लवन का परिचय देते हुए उसकी विशेषताएं बताएं
2. कम्प्यूटर की उपयोगिता की समीक्षा करें।
3. संपादकीय लेखन की भूमिका स्पष्ट किजिए।
4. संपादन के आधारभूत तत्व का आलोचनात्मक विवेचन करें।
5. समाचार लेखन और वाचन पर टिप्पणी लिखें।
6. विज्ञापन की भाषा का महत्व स्पष्ट करें।
7. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका पर नोट लिखें
8. विधि साहित्य के अनुवाद में आने वाली समस्याओं का उल्लेख करें।

भारतीय साहित्य

एम० ए० हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

अनिवार्य पेपर - 9

दत्त - कार्य - 1

कुल अंक-10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1 निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें-

भारत में, धर्म में, राजनीति में, रोजगार में, शिक्षा के क्षेत्र में, संस्कृति के क्षेत्र में, व्यक्तिगत जीवन में – ऊपर उठने का एक ही नियम है, सीढ़ी का नियम! इस परम्परा का नाम ही भारतवर्ष है। गोली खाते हैं - सामान्य कार्यकर्ता, नाम होता है जेल में आराम से बैठे प्रथम श्रेणी में बन्दी लीडरों का – यह भारतीय ऐतिहासिकता है।

2. अक्सर लगती है दूर
जैसे किसी की नहीं, पर है सबकी
बादल-सी, चाँद-सी और आकाश-सी।
उसके कदमों की धीमी-धीमी आहट से
अलता के किनारे-किनारे
नूपुर की रुनझुन में कौन आता है?
मृत्यु या फागुन?

3. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के कथ्य एवम् शिल्प की समीक्षा करें।

4. भारतीय-साहित्य में भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करें।

5. हिन्दी साहित्य में भारतीय-मूल्यों की अभिव्यक्ति मूल्यांकन दर्शायें।

6. बांग्ला निबन्ध का उद्भव और विकास की विवेचना करें।

7. बांग्ला मंगल काव्यों का संक्षिप्त परिचय दें।

8. हिन्दी और बांग्ला के कृष्णकाव्य की तुलनात्मक अध्ययन करें।

Deepak

भारतीय साहित्य

एम. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

पेपर - 9 (अनिवार्य)

दत्त-कार्य - 2

कुल अंक : 10

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1 निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें -

किस आदिम युग से, पृथ्वी
किस अनजान लगन से
यह सारा रूप पसारे बैठी हो मोहिनी
सिर्फ मेरे लिए ?

2. "हम भी इन्हीं सपनों को देखते हैं। इसीलिए तो तुमसे कहते हैं - घासीराम, हमारी तरफ से अपनी धरमपत्नी को दिलासा देना। कहना, हमने उसकी बेटी का जिम्मा लिया। उसकी औलाद को हम अपनी औलाद समझेंगे, निहायत शानो-शौकत से पालेंगे, पोसेंगे।"

3. 'घासीराम कोतवाल' नाटक की तात्विक-समीक्षा कीजिए।

4. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं को वर्णित करें।

5. चैतन्य पूर्व बांग्ला-वैष्णव साहित्य का संक्षिप्त परिचय दें।

6. गौड़ीय वैष्णव पदावली पर एक आलोचनात्मक नोट लिखें।

7. बांग्ला और हिंदी नाथ साहित्य की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

8. हिंदी के सूफी कवियों के काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये।

(signature)

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष) कुल अंक - 10

सूरदास

पेपर - 10 (iii)

गृह कार्य - 1

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें-

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें-

मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज को पंछी फिरि जहाज पर आवै।
कमल-नैन कौं छाँड़ि महातम और देव कौं ध्यावै।
परम गंग कौं छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहिं मधुकर अंबुज-रस चाख्यौ क्यौं करील फल भावै।
सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।।

2. अँखियाँ हरि दरसन की प्यासी
देख्यौ चाहति कमल नैन कौं, निसि-दिन रहति उदासी।
आए ऊधौ फिरि गए आँगन, डारि गए गर फाँसी।
केसरि तिलक मोतिनि की माला, वृन्दावन के बासी
काहू के मन की कोउ जानत, लोगनि के मन हाँसी।
सूरदास-प्रभु तुम्हरे दरस कौं, करवत लैहौं कासी।।

3. कृष्ण भक्ति-काव्य की परम्परा और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

4. सूरदास के प्रामाणिक जीवन-वृत्त और जन्मान्धता के प्रश्न का आलोचनात्मक ढंग से उत्तर दीजिए।

5. सूरसागर का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

6. भ्रमरगीत के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

7. सूर के काव्य में गीति-योजना कहाँ तक सफल है- स्पष्ट करें।

8. आधुनिक सन्दर्भों में सूरकाव्य की प्रासंगिकता को सिद्ध कीजिए।

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष) कुल अंक - 10

सूरदास

पेपर - 10 (iii)

दत्त - कार्य - 2

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें -

आयौ घोष बड़ौ व्योपारी
खेप लादि गुरु ज्ञान जोग की, ब्रज मैं आनि उतारी।
फाटक दै कै हाटक माँगत, भोरौ निपट सुधारी।
धुरही तै खोटौ खायौ है, लिये फिरत सिर भारी।
इनकै कहै कौन डहकावै, ऐसी कौन अजानी।
अपनौ दूध छाँडि को पीवै, खारे कूप कौ बारी।
ऊधौ जाहु सबारैं, ह्याँ तैं बेगि गहरु जनि लावहु।
मुख माँगौ पैहौ सूरज प्रभु, साहुहिं आनि दिखावहु॥

2. बिन गुपाल बैरिन भई कुंजैं।
तब वै लता लगति तन सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजैं।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल-फूलनि अलि गुंजैं।
पवन, पान, घनसार, सजीवन, दधि-सुत किरनि भानु भई भुंजैं।
यह ऊधौ कहियौ माधौ सौं, मदन मारि कीन्हीं हम लुंजैं।
सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कौं, मग-जोवत अँखियाँ भई छुंजैं॥

3. साहित्य-लहरी का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

4. सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिये।

5. 'सूर ही वात्सल्य और वात्सल्य ही सूर' - पंक्ति का भाव स्पष्ट करें

6. सूरदास के काव्य की भाषा पर आलोचनात्मक नोट लिखें।

7. कृष्ण का शील-निरूपण स्पष्ट करें।

8. भ्रमरगीत-परम्परा में सूर-कृत भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित करें।

[signature]

एम० ए० हिंदी (द्वितीय वर्ष) कुल अंक- 10

हरियाणा का हिंदी साहित्य

पेपर - 10 (vii)

दत्त - कार्य - 1

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें -

आज जीवन के गहन अन्तिम प्रहर में,
सत्य हो आया उदित यह हाय! कैसा ?
हम जिन्हें अपना समझते,
और रहते साथ जिनके,
नित्य छाया - से कभी के,
वे हमें पहचान पाए है किंचित
अजनबी है वे सभी जो साथ अपने चल रहे है।

2. मानव ही मानव का भक्षक
कहो कौन फिर किसका रक्षक?
बजी द्यूत की कुटिल रागिनी
जग को स्नेहिल गीत सुना दो।
जग को मधुमय गीत सुना दो।

3. जैन - काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

4. संत - काव्य की परम्परा पर विस्तृत नोट लिखो।

5. सूफी - काव्य की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

6. नाटक की परम्परा और प्रवृत्तियों का वर्णन करें।

7. गज़ल की परम्परा और प्रवृत्तियो पर आलोचनात्मक - टिप्पणी लिखें।

8. नवगीत की प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।

कुल अंक - 10

एम० ए० हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

हरियाणा का हिन्दी साहित्य

पेपर - 10 (vii)

दत्त - कार्य - 2.

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें -

1. निम्न पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें -

भेद-भाव का मैं न कभी व्यवहार करता हूँ।
मैं मानव हूँ, हर मानव से प्यार करता हूँ।
श्रम का भूखा पेट कहीं लंगड़ाता दर्द मिले,
मैं सबकी पग धूल उठाकर तिलक लगाता हूँ।
अपना भाग्य टटोलता तुम्हें अँधियारे पथ में,
उन हाथों को किरणों का कंगन पहनाता हूँ।

2. तेरा पाना कठिन इतना कहाँ है।
मगर हमने तुझे ढूंढा कहाँ है।
चलो देखें नहीं इस रोशनी में
'नई तहजीब का चेहरा कहां है'।
यहां सच बोल दे बेखौफ होकर
किसी में हौसला इतना कहां है।

3. राम काव्य परम्परा की समीक्षा करें।

4. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियां पर प्रकाश डालिये।

5. मुक्तकाव्य की परम्परा और प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

6. पत्रकारिता की प्रवृत्तियों का उल्लेख करें।

7. बाल-साहित्य की परम्परा और प्रवृत्तियों की समीक्षा करें।

8. खण्डकाव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन करें।

(हस्ताक्षर)